श्री द्रोण गऊशाला समिति (रजि0) दनकौर द्वारा संचालित

श्री द्रोणाचार्य (पी0जी0) कॉलिज

-: कॉलिज कोड (038) :-

संचालित पाठ्यक्रम : B.A., B.Com., B.Sc. (PCM & ZBC), B.B.A., B.C.A., B.Ed., M.A. (Hindi & English), M.Com

(सम्बद्धता-चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र., NAAC A++)

कालिन्दी मार्ग (निकट स्पोर्ट्स सिटी) दनकौर (गौतम बुद्ध नगर) उ0प्र0
सम्पर्क सूत्र : 8191006001, 8954892270

विवरणिका

Website : www.sdpg.in | E-mail: sddcollege97@gmail.com

PRINTERS
SAMPLE

।। विद्या धनम् परम् धनम् ।।

सरस्वती महाभागे
विद्या कमल लोचने।
विद्या रुपेविशालाक्षी
विद्यायाम् देही नमोस्तुते।।

।। गुरु द्रोणाचार्य जी ।।

गुरु श्री द्रोणाचार्य जी के नाम पर बसा द्रोणकौल जिसका अपभ्रंष दनकौर के रूप में परिणित हुआ, यहाँ लगभग 150 साल से पंजीकृत श्री द्रोण गऊशाला समिति जिसके अन्तर्गत श्री द्रोणाचार्य मंदिर स्थापित है, जिसमें एकलव्य द्वारा स्वनिर्मित श्री द्रोणाचार्य जी की मूर्ति स्थापित है।

इसी के संरक्षण में 16 फरवरी 1997 में 'श्री द्रोणाचार्य (पी०जी०) कॉलिज, दनकौर की स्थापना की गयी। अपनी स्थापना के समय से अद्या अवधि यह कॉलिज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान देकर क्षेत्र को गौरवान्वित कर रहा है।

16 फरवरी, स्थापना दिवस

हवन पूजन कार्यक्रम

AGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

श्री द्रोण गऊशाला समिति, दनकौर द्वारा संचालित संस्थायें

श्री द्रोणाचार्य (पी०जी०) कॉलिज

श्री गुरु द्रोणाचार्य मन्दिर

श्री द्रोण गऊशाला

बाबा सूखामल डालचन्द नम्बरदार हॉस्पिटल एवं
रमेश चन्द विद्यावती ओ.पी.डी. एण्ड डाइग्नोस्टिक सेन्टर

श्री द्रोणाचार्य रमेशचन्द विद्यावती
कॉन्वेन्ट स्कूल

अध्यक्षीय संदेश

अध्यक्षीय उद्‌बोधन के अन्तर्गत मेरा जीवन दर्शन इस तथ्य पर आधारित है कि जीवन में लक्ष्य तथा प्रेरणा अपरिहार्य है। मैंने भी जीवन पथ पर अनगिनत रास्तों से गुजरते हुए कुछ इन्द्रधनुषी रंगों को संजोकर महाविद्यालय स्थापना के रूप में एक वितान सँजोने का ताना–बाना बुना, जिसे साकार रूप प्रदान करने में हम सभी को साधना–पथ के पथिक के रूप में अपनी भूमिका निभानी है। इस अवसर पर मुझे सहज ही निम्न पंक्तियाँ हृदय–पटल पर अंकित होती महसूस हो रही है :–

अन्तर दीपक को न बुझने देना

कितने युग बीत जाये तुम्हें चलते–चलते,

अनंत पड़ावों पर तुम अपनी धाक जमाओं,

सनी धूल अपने माथे पर रोज सजाओं

मन के भावो को न झुकने देना ।।

उत्कृष्ट शैक्षिक परम्पराओं का सूचक हमारा उच्च शिक्षा संस्थान सदैव अपनी श्रेष्ठता के लिए पहचाना जाता है। महाविद्यालय परिवार अपनी इस अकथनीय जिम्मेदारी का अनुभव करके छात्र–छात्राओं की प्रगति का आधार स्तम्भ बन सदैव उनके व्यक्तित्व निर्माण में सार्थक भूमिका निभाता है। ज्ञान के इस नवीन दौर में न सिर्फ छात्र–छात्राओं बल्कि आव यकतानुसार विषय–विशेषज्ञों, शिक्षा सहभागियों का स्वमूल्यांकन के आधार पर सतत् मूल्यांकन करके इस लक्ष्य की पूर्ति में सम्बल प्रदान करता है। यह परिष्कृत कार्य प्रत्येक छात्र–छात्राओं के विवेक, अनुशासन कौशल, ज्ञान समन्वय हेतु "मील का पत्थर" सिद्ध होगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

मैं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वह हमारे महाविद्यालय परिवार पर अपनी अनुकम्पा बनाये रखे तथा महाविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य को अदम्य साहस एवं प्रेरणा प्रदान कर महाविद्यालय को क्षेत्रीय अंचल में सर्वश्रेष्ठ बनाने में अपनी महती भूमिका निभाने में सक्षम बनाये रखे।

महाविद्यालय की प्रतिष्ठा
की प्रगति में आशान्वित
अध्यक्ष
राकेश कुमार गर्ग

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

प्रबन्धकीय संदेश

कॉलिज की गौरवमयी परम्परा का प्रबन्धकीय स्तम्भ मेरे लिए पितृ ऋण के रुप में आशीर्वाद है। कॉलिज के आधार स्तम्भ पूज्यनीय पिताजी श्री वेदप्रकाश अग्रवाल जी की धरोवर के रुप में कॉलिज की जिम्मेदारियों को एक कुटुम्ब की तरह सम्पोषित करता हूँ।

''ज्यो गूंगे मीठे फल को यूं अतंरग ही भावे''

इस गहन सूक्ति का अनुभव मैं अपने जीवन में द्रोणाचार्य कॉलिज के सचिव / प्रबन्धक पद का प्रतिनिधित्व करते समय करता हूँ, जिस प्रकार मूक व्यक्ति मीठे फल को खाने के बाद मिठास का वर्णन शब्दों में न करके आत्मा से प्रसन्न होकर करता है ठीक उसी प्रकार ज्ञान के इस मन्दिर में शिक्षा का श्रेष्ठ वातावरण बनाकर विद्वान विषय विशेषज्ञों से कॉलिज के छात्र / छात्राओं को उत्तम दिशा–निर्देशन कराके मुझे भी असीमित प्रसन्नता की अनुभूति होती है। प्रबन्धक पद की जिम्मेदारियाँ हमारे लिए न सिर्फ मानक उत्तरदायित्व है। बल्कि पूर्वजों की मर्यादा मान स्वाभिमान का प्रतीक है। कॉलिज के चतुर्मुखी विकास हेतु अपने उत्तरदायित्व निर्वहन में अपने हृदय की ध्वनि के इन शब्द को सदैव ध्यान में रखूँगा।

''मैं पक्ष–विपक्ष मुक्त होकर।
प्रबन्धन में सत्य उतारुगाँ।।
स्वीकृति यथार्थ को देकर भी।
मिथ्या से कभी न हाँरूगा।

मैं सदैव त्रिभुवनधारी परम ब्रह्मपरमेष्वर से यही कामना करुंगा कि शिक्षा प्रदाता के इस पथ पर सदैव मुझे अपने आशीर्वाद से अग्रसर करें जिससे एक श्रेष्ठ समाज का निर्माण हो सकें। मैं हृदय से छात्र / छात्राओं तथा कॉलिज के सभी सहयोगी जनमानस के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

भविष्य की शैक्षिक योजनाओं के
पथ पर अग्रसर
प्रबन्धक / सचिव
रजनीकान्त अग्रवाल

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

श्री द्रोण गऊशाला समिति (रजि०)

श्री राकेश कुमार गर्ग
(अध्यक्ष)
मौ. 9627929955

श्री मोहित कुमार गर्ग
(उपाध्यक्ष)
मौ. 9412224313

श्री रजनीकान्त अग्रवाल
(प्रबन्धक)
मौ. 8006409701

श्री संजीव कुमार ग्रप्ता
(उपप्रबन्धक)
मौ. 9811556225

श्री मनीष कुमार अग्रवाल
(कोषाध्यक्ष)
मौ. 9811226951

श्री सुशील मांगलिक
(सदस्य)
मौ. 9812585107

श्री संदीप जैन
(सदस्य)
मौ. 9690003300

श्री मनीष सिंघल
(सदस्य)
मौ. 9758155352

श्री संजय कुमार गोयल
(सदस्य)
मौ. 8006248100

श्री पंकज गर्ग
(सदस्य)
मौ. 9810887755

श्री राजकुमार गोयल
(सदस्य)
मौ. 9711165007

श्री मुकुल बंसल
(सदस्य)
मौ. 9410476096

श्री मनोज त्यागी
(विशिष्ट सदस्य)
मौ. 9873421443

श्री सचिन वर्मा (सोनू)
(विशिष्ट सदस्य)
मौ. 9759178184

श्री शशि गर्ग
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9811058599

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

श्री द्रोण गऊशाला समिति (रजि०)

श्री अनिल सिंघल (BOB)
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9310327290

श्री अशोक बजाज
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9548335556

श्री पुष्कर आढ़ती
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9412224303

श्री प्रेमचन्द विसायती
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9719460378

श्री प्रदीप गर्ग
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9412584414

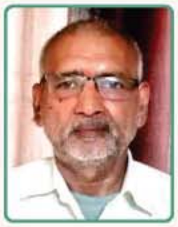

श्री अनुपम गोयल
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9675738713

श्री सौरभ गोयल
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9911003552

श्री विमल कुमार (लाट वाले)
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9720399994

श्री शैलेन्द्र गोविल
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9412554448

श्री विकास गोयल
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9675757007

श्री गोपाल कृष्ण बजाज
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9711492492

श्री नरेन्द्र मारवाड़ी
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 7830587301

श्री आशीष गुप्ता
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9811267073

श्री अशोक गोयल
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 7618280478

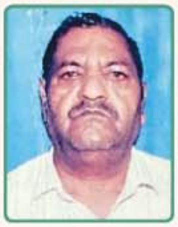

श्री राकेश कुमार तायल
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 8057586468

श्री नरेश गर्ग (लाट वाले)
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 8006007766

श्री राजीव कुमार
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 8006008855

श्री हरिओम आढ़ती
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9719646531

श्री राज नारायण आढ़ती
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 9639028326

श्री रोहताश तायल
(संरक्षक सदस्य)
मौ. 8006009993

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

प्राचार्य की कलम से...

Dr. Girish Kumar Vats
M.Sc. (Chemistry),
M.A. (Economics, Pol. Science,
Hindi, Philosophy, Education, Sociology)
M.Ed., M.Phil, UGC-NET, Ph.D

S.D. (P.G.) College
Dankaur, G.B. Nagar (U.P.)
E-mail: mukesh@rediffmail.com

ज्ञान असीम अर्णव है एवं मानव मस्तिष्क एक बिन्दु मात्र। ज्ञानाभिलाषी साधक, मनस्वी मनीषी इसी ज्ञानार्णव का मन्थन कर विभिन्न विचारों एवं आविष्कारों की उपलब्धि स्वरुप अमृत को पुस्तक कलश में संजोते रहे है। महाविद्यालय पत्रिका का यह अंक युवाशक्ति की अभिव्यक्ति का प्रस्फुटन है। सृजन की इसी अभिव्यक्ति के निनाद से मैं समस्त छात्र शक्ति का आह्वान करता हूँ। जीवन को प्रकाश से भरकर ऊर्जस्वित करना है, कहीं रुके नहीं यह उन्नति की ओर संचारित गति.........बस यूँ ही निर्बाध बहे। प्रगति के विभिन्न क्षेत्रों को व्याप्त करती युवाशक्ति की यह ऊर्जा अखिल ब्रह्माण्ड को स्पंदित कर सकारात्मक उन्नति की ओर सदैव उन्मुख रहे......... गतिशील रहे। युवाशक्ति के स्वप्न नवीन सत्य जगत् की सृष्टि करें। ब्रह्माण्ड के फलक पर ऐसे अद्भुत चित्रों की सृष्टि करे, जिनमें रेखाएँ, स्वप्नों की सत्य के नवीन लोको की खोज करती हों। कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के विभिन्न क्षेत्रों में नित्य मंगलकारी सृष्टियों की आकृतियाँ हो। सत्य और अंहिसा के शुभ्र धरातल पर समन्वय, प्रेम और सद्भाव के अंगणित सुन्दर, इन्द्रधनुष नृत्य करते हों। ऐसी हो यह सृष्टि....

गीत हो सब मधुरिमा के,
हर कला जीवन समन्वित, प्रयास अनंत साफल्य पूरित।
विज्ञान मानवता से सिंचित,
पीड़ा न कही जग में रहे, सत्य, अंहिसा, धर्म ही सर्वत्र बसे।।

डॉ० गिरीश कुमार वत्स
प्राचार्य

AGGARWAL PRINTERS PRINTING SAMPLE

लक्ष्य एवं उद्देश्य

1. समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने हेतु युवा पीढ़ी को गुणात्मक शिक्षा के साथ उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना।
2. युवा पीढ़ी में आत्म–विश्वास का संचार, व्यक्ति विकास अनुसंधानात्मक प्रवृत्तियाँ, समानता की भावना तथा राष्ट्रप्रेम की भावना प्रस्फुटित करने हेतु वातावरण प्रदान करना।
3. ज्ञानपूर्ण और कल्याणकारी समाज के सतत् उन्नयन के सदुपयोग से मुख्य भूमिका का निर्वहन करना।
4. रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम के प्रयास।

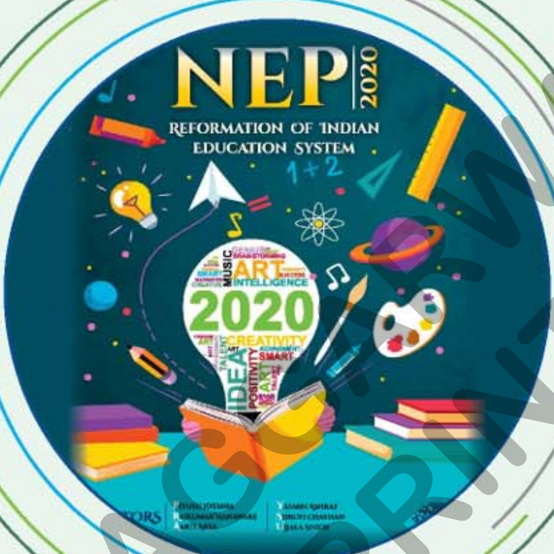

हमारी दृष्टि

युवाओं के मन में चरित्र और मूल्य आधारित शिक्षा का विकास और पहले से ही पूर्णतः प्रकट व्यक्तित्व की रचना करना। उच्च शिक्षा के एक मन्दिर में इस संस्था को विकसित करने के लिए तथा छात्रों के विकास के लिए और उच्च शिक्षा, अनुसंधान और अनुशासन के विस्तार में उत्कृष्टता प्राप्त करना।

"इस दुनिया में असंभव कुछ नहीं। हम वो सब कर सकते हैं, जो हम सोच सकते हैं और वो सब सोच सकते हैं, जो आज तक हमने नहीं किया"

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

स्काउट गाइड शिविर आयोजन

स्काउट गाइड शिविर आयोजन

कॉलिज सम्मान समारोह

कॉलिज में संचालित पाठ्यक्रम व संकाय

वर्तमान में संस्थान में 6 संकायों के अन्तर्गत तीन विषयों में स्नातकोत्तर व 18 विषयों में स्नातक की कक्षायें संचालित की जा रह है। श्री द्रोणाचार्य (पी०जी० कॉलिज, दनकौर (गौतम बुद्ध नगर) उ0प्र0 चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ उ0प्र0 से सम्बद्ध एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद जयपुर (NCTE) द्वारा अनुमोदित है जिसमें शिक्षा संकाय (बी.एड.) को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् NAAC के द्वारा 'B' Grade प्राप्त हो चुका है।

(1) स्नातकोत्तर स्तर:- (कॉलिज कोड 038)

स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम के चार सेमेस्टर के अन्तर्गत तीन विषयों में शिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध है।

(1) हिन्दी (2) अंग्रेजी (3) एम.कॉम.

(2) स्नातक स्तर:-

कॉलिज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरुप नई शिक्षा नीति के त्रिवर्षीय (शोध सहित) पाठ्यक्रम बी.ए. / बी.एससी. / बी. कॉम., बी.बी.ए., बी.सी.ए. (कॉलिज कोड 038) में "Choice based credit system" (सी.बी., सी.एस.) पर आधारित सेमेस्टर सिस्टम के अन्तर्गत (शोध सहित) नवीन पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2021–22 से लागू हो चुके हैं।

(3) मेजर एवं माइनर विषय इलेक्टिव पेपर:-

(क) छात्रों द्वारा कॉलिज में विषयों की उपलब्धता के आधार पर तीन मेजर तथा एक माइनर विषय का चुनाव कर सकता है।

(ख) विद्यार्थियों को प्रवेश के समय एक संकाय (कला / विज्ञान / वाणिज्य) आदि का चुनाव करना होगा उसी संकाय के दो मुख्य (मेजर) विषय का चुनाव करना होगा। यह संकाय विद्यार्थी का अपना संकाय कहलाएगा, तीसरे मुख्य (मेजर) विषय का चुनाव विद्यार्थी किसी भी संकाय (अपने संकाय से भी) कर सकता है।

(ग) माइनर इलेक्टिव पेपर छात्र किसी भी संकाए (अपने या अन्य संकाय) से लेना होगा।

(घ) बहुविषयक (Multidisipnary) सुनिश्चित करने के लिए स्नातक स्तक पर किसी भी चौथे विषय (उसके द्वारा लिए गए तीन मुख्य विषय के अतिरिक्त) से लेना होगा।

(ङ) तीसरे मुख्य (मेजर) विषय तथा माइनर इलेक्टिव विषय का चयन छात्र द्वारा इस प्रकार किया जायेगा कि कम से कम एक अनिवार्यतः अपने संकाय के अतिरिक्त अन्य संकाय (Other faculty) से हो।

(च) विद्यार्थी को प्रथम तथा द्वितीय वर्ष में (प्रतिवर्ष) एक माइनर इलेक्टिव विषय लेना अनिवार्य होगा।

(छ) महाविद्यालय अपनी सुविधा से सम अथवा विषम सेमेस्टर में उपलब्ध माइनर इलेक्टिव पेपर का चुनाव कर सकता है।

(ज) माइनर इलेक्टिव पेपर का चुनाव महाविद्यालय में संचालित विषयों के पेपर में से किया जायेगा चुने गए माइनर पेपर की कक्षाएं उसी कोर्स की कक्षाओं के साथ होगी तथा उसकी परीक्षा भी उसी के साथ होगी।

(2) कौशल विकास कोर्स (Skil Development Course) :

AGGARWAL PRINTERS PRINTING SAMPLE

वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता

रक्तदान शिविर कार्यक्रम

एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (हाईब्रिड मोड)

(क) स्नातक स्तर प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम दो वर्षों (चार सेमेस्टर) के प्रत्येक सेमेस्टर में एक कौशल विकास कोर्स लेना होगा।

(ख) कॉलिज के व्यवस्थानुसार विद्यार्थियों को कौशल विकास कोर्स के प्रमाण–पत्र दिए जायेगें।

(3) सह–विषय/कोर्स (Co-Curricular Courses) :–

(क) स्नातक स्तर के प्रत्येक विद्यार्थी को तीन वर्षों (छः सेमेस्टर) के प्रत्येक सेमेस्टर / कोर्स करना अनिवार्य होगा।

(ख) इन छः विषयों के पाठ्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

(ग) हर सहविषय / कोर्स को 40 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यार्थी को उत्तीर्ण करना होगा, विद्यार्थी की ग्रेड शीट पर इनके प्राप्तांकों पर आधारित ग्रेड अंकित होगें परन्तु उन्हें CGPA की गणना में सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

(4) शोध परियोजना (Research Project) :–

(क) स्नातक स्तर पर प्रत्येक विद्यार्थी को (पाँचवें एवं छठवें) लघु शोध परियोजना करना अनिवार्य है।

(ख) विद्यार्थी द्वारा चुने गये मेजर / माइनर विषयों में से ही सम्बन्धित शोध परियोजना करनी होगी, जो ट्रेनिंग / इन्टर्नशिप / सर्वे वर्क इत्यादि के रुप में हो सकती है।

(ग) शोध परियोजना का संयुक्त प्रबन्ध (Report/Dissertation) का मूल्यांकन 100 अंकों में से होगा जिसके प्राप्तांकों के आधार पर ग्रेड अंकित होगा परन्तु उन्हें CGPA की गणना में सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

2.1 कला संकाय (Faculty of Arts) :– कॉलिज में कला संकाय का प्रारम्भ जुलाई 1997 में हुआ जिसमें कॉलिज में स्नातक स्तर पर निम्न विषय उपलब्ध हैं।

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. समाजशास्त्र
4. राजनीति शास्त्र
5. अर्थशास्त्र
6. गृह विज्ञान
7. चित्रकला
8. मनोविज्ञान
9. इतिहास

2.2 वाणिज्य संकाय (Faculty of Commerce) :–

कॉलिज में वाणिज्य संकाय की स्थापना सन् 1998 में प्रारम्भ हुई। जिसका विगत वर्षों में परीक्षाफल बहुत अच्छा रहा है।

2.3 विज्ञान संकाय (Faculty of Science) :–

बी0एससी0 स्तर पर शिक्षा सन् 2000 से निम्न विषयों का शिक्षण उपलब्ध है।

1. गणित
2. भौतिक विज्ञान
3. रसायन विज्ञान
4. वनस्पति विज्ञान
5. जन्तु विज्ञान

2.4 प्रबन्ध एवं कम्प्यूटर संकाय (Faculty of Management and Computer) :–

कॉलिज में स्नातक स्तर पर कम्प्यूटर संकाय में बी0सी0ए0 एवं बी0बी0ए0 व्यवसायिक पाठ्यक्रम का प्रारम्भ 2008 में हुआ जिसका विगत वर्षों में परीक्षाफल शत–प्रतिशत रहा है। इसी क्रम में कम्प्यूटर संकाय में इंटरनेट की उपब्धता भी है। बी0बी0ए0 / बी0सी0ए0 प्रथम वर्ष के छात्रों को क्वालीफाइंग कोर्स (पर्यावरणीय अध्ययन) लेना अनिवार्य हैं।

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

स्काउट–गाइड का समापन कार्यक्रम

उ0प्र0 सरकार द्वारा छात्रों को स्मार्ट फोन वितरण

चौ0 चरण सिंह जयंती कार्यक्रम

Table-B

Year-Wise Structure of UG Programs of B.A./B.Sc./B.Com

		Subject-I	Subject-II	Subject-III	Subject-IV	Vocational	Co-Curricular	Industrial Training/Survey/Research Project	(Minimum Credits For the Year)	{Cumulative Minimum Credits Required for Award of Certificate Diploma/Degree
		Major	Major	Major	Minor Elective	Minor	Minor	Major		
		4/5/6 Credits	4/5/6 Credits	4/5/6 Credits	4/5/6 Credits	3 Credits	2 Credits	4 Credits		
Year	Sem	Own Faculty	Own Faculty	Own/Other Faculty	Other Faculty	Vocational/ Skill Development Course	Co-Curricular Course (Qualifying)	Inter/Intra Faculty related to main Subject		
1	I	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	1 (4/5/6)	1	1		46	{46} Certificate in Faculty
1	II	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	1 (4/5/6)	1	1		46	{46} Certificate in Faculty
2	III	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	1 (4/5/6)	1	1		46	{92} Diploma in Faculty
2	IV	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4) + Pract-1(2)	1 (4/5/6)	1	1		46	{92} Diploma in Faculty
3	V	Th-2(5) or Th-2(4) + Pract-1(2)	Th-2(5) or Th-2(4) + Pract-1(2)				1	1 (Qualifying)	40	{132} Bachelor in Faculty
3	VI	Th-2(5) or Th-2(4) + Pract-1(2)	Th-2(5) or Th-2(4) + Pract-1(2)				1	1 (Qualifying)	40	{132} Bachelor in Faculty

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

मा० धीरेन्द्र सिंह जी (विधायक) को स्मृति चिन्ह भेंट

पुरातन छात्र मिलन समारोह

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम

5. शिक्षा संकाय (Department of Teacher Education) NAAC, B –ग्रेड प्राप्त :

श्री द्रोणाचार्य (पी0जी0) कॉलिज दनकौर, गौतम बुद्ध नगर के अन्तर्गत शिक्षक शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2005–2006 से बी0एड0 प्रशिक्षण कार्यक्रम विधिवत् रुप से चल रहा है। चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा श्री द्रोणाचार्य (पी०जी०) कॉलिज दनकौर, गौतम बुद्ध नगर को स्नातक स्तर पर शिक्षक शिक्षा संकाय के अन्तर्गत बी0एड0 पाठ्यक्रम में 100 सीट की प्रवेश क्षमता सहित स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत सम्बद्धता प्रदान की गयी। शिक्षक शिक्षा संकाय के योग्य शिक्षकों द्वारा सत्र 2005–2006 से आज तक के सत्रों का विधिवत संचालन करके विभिन्न क्रियाकलापों जैसे–सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का अध्ययन एवं अंकन करना, दृश्य–श्रव्य सामग्रियों का संचालन करना, स्काउटिंग एवं गाइडिंग, खेल–कूद एवं शारीरिक शिक्षा के साथ–साथ विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। शिक्षक शिक्षा संकाय श्री द्रोणाचार्य (पी०जी०) कॉलिज, दनकौर, गौतम बुद्ध नगर, उ0प्र0 के द्वारा कार्यशाला, सेमिनार, N.G.O. के माध्यम से रक्तदान शिविर व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आदि का आयोजन समय–समय पर किया जाता है। कॉलिज का यह संकाय अपनी गुणवत्ता का मूल्यांकन 'NAAC' द्वारा निरीक्षण के उपरान्त 'B' ग्रेड प्राप्त कर अपनी प्रमाणिकता सिद्ध कर चुका है।

इस संकाय के अन्तर्गत प्रतिवर्ष योग्य प्रशिक्षकों के द्वारा 5 दिवसीय स्काउट गाइड कैम्प का आयोजन कर छात्रों में देशहित की भावना का संचार करता है।

महाविद्यालय में प्रस्तावित पाठ्यक्रम (विषय)

(क) एल. एल बी.

(ख) एम.ए. (राजनीतिक विज्ञान व समाजशास्त्र)

AGGARWAL PRINTER PRINTING SAMPLE

कॉलिज में उपलब्ध सुविधायें

1. शिक्षण कक्ष :

आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षण कक्ष जिसमें आधुनिक शैक्षिक तकनीकी सुविधायें जैसे–O.H.P. या लाईट हैड प्रोजेक्टर आदि लगायें जाने की सुविधा है। इससे शिक्षक के स्लाइड, ट्रान्सपरेसी, पी.पी.टी. आदि के द्वारा अपने शिक्षण को आत्मग्राही एवं रुचिकर बनाते हैं।

2. संसाधन केन्द्र / प्रयोगशाला :

कॉलिज के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु आवश्यक सामग्रीयों से युक्त संसाधन केन्द्र व प्रयोगशाला उपलब्ध है, जिसका प्रयोग छात्र समय–सारणी के अनुसार करते हैं।

3. कम्प्यूटर सेन्टर या I.C.T. केन्द्र :

कॉलिज में छात्रों के उपयोग हेतु आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित तथा इण्टरनेट की उपलब्धता से युक्त ICT केन्द्र है, जिसमें भाषा प्रयोगशाला की भी सुविधायें मौजूद हैं।

4. विद्यार्थी कल्याण परिषद् :

(क) कैरियर काउंसिलिंग सेल - कॉलिज के 'कैरियर–कॉर्नर' के तत्वाधान में उच्च शिक्षा, शोध कार्य, व्यवसाय–पूरक पाठ्यक्रमों, कैरियर सुधार व प्रोन्नति के अवसरों के विषय में जानकारी तथा उससे सम्बन्धित विश्वविद्यालय, राज्य एवं केन्द्र सरकार व अन्य स्रोतों से प्राप्त होने वाली सूचनायें विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने की समुचित व्यवस्था है। अतः विद्यार्थियों को इससे लाभ उठाना चाहिये।

(ख) शुल्क-मुक्ति- सुयोग्य तथा कमजोर वर्गों के छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्‌देश्य से पूर्ण अथवा अर्द्ध–शुल्क मुक्ति की सुविधा दी जाती है। जिसका आधार शैक्षिक योग्यता होना आवश्यक होता है, जिसके लिये गत कक्षा के प्राप्तांक और संरक्षक की आय को दृष्टिगत रखा जाता है।

(ग) छात्रवृत्तियाँ- उच्च श्रेणी के प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण सभी योग्य विद्यार्थियों तथा अनुसूचित जाति/जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय, राज्य व केन्द्र सरकार की ओर से तथा अन्य विभिन्न स्रोतों से छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

5. कॉलिज पत्रिका :

विद्यार्थीयों की रचनात्मक लेखन प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु कॉलिज ''एकलव्य वाणी'' नामक पत्रिका प्रकाशित करता है जिसमें विद्यार्थीयों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों के विभिन्न विषयों पर लेख प्रकाशित किये जाते हैं।

6. राष्ट्रीय सेवा योजना :

कॉलिज में सत्र 1998 से स्नातक स्तर के 100 स्वयं सेवक/सेविकाओं की एक इकाई कार्यरत है। यह दैनिक तो है ही साथ में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन प्रशिक्षकों के संरक्षण एवं दिशा निर्देशन में किया जाता है। कॉलिज में रोबर्स व रेंजर्स स्काउट गाइड की सुविधा उपलब्ध है।

AGGARWAL PRINTERS PRINTING SAMPLE

7. राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला :

कॉलिज के विभिन्न पाठ्यक्रम व विषय के आधार पर संगोष्ठी व कार्यशाला का आयोजन किया जाता है, जिसमें शिक्षाविद्, राजनीतिज्ञ व प्रशासनिक तथा व्यवसायिक क्षेत्रों के विशेषज्ञ छात्रों के मार्गदर्शक का कार्य करते हैं। कॉलिज द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न पाठ्यक्रम/विषय आधारित संगोष्ठी व कार्यशाला का आयोजन छात्रों को ऊर्जावान बनाता है।

8. खेलकूद :

सीमित संसाधनों एवं निजी विस्तृत क्रीड़ागन में कॉलिज के क्रीड़ा प्रभारी लगभग सभी खेलों और क्रीड़ाओं की समुचित व्यवस्था उपलब्ध करने हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। विभिन्न कक्षाओं के मध्य खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है। राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश के निमित्त अधिमान मिलता है।

9. कैन्टीन :

कॉलिज में एक सामान्य स्तर की आधुनिक कैन्टीन सुविधा उपलब्ध है। जिसमें शिक्षकों, छात्रों को जलपान एवं भोजन सुविधा उपलब्ध है।

कॉलिज में संचालित होने वाली पाठ्येत्तर सहगामी गतिविधियाँ

कॉलिज में शैक्षिक जैसे संगोष्ठी, वाद–विवाद, संक्षिप्त शोध से विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियाँ, क्रिया–कलापों, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, राष्ट्रीय सेवायोजना कार्यक्रम, स्काउट गाइड कैम्प, प्रश्नोत्तरी, गीत–संगीत व नृत्य प्रतियोगिता, व्यक्तित्व विकास, कम्प्यूटर ज्ञान और अन्य साहित्यक एवं सांस्कृतिक आदि कार्यक्रमों को आयोजित कर विद्यार्थियों का पूर्णतः विकास करता है। इन कार्यक्रमों के लिए अपनी टीमें ब्लाक/जिला/राजकीय/राष्ट्रीय स्तर पर बाहर भी भेजी जाती है। इसके अतिरिक्त खेल–कूद व शारीरिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य विकास के कार्यक्रमों के माध्यम से जीवन विकास की ओर अग्रसर किया जाता है।

अतः कॉलिज द्वारा शिक्षण एवं शैक्षिक वातावरण को अनुशासित एवं विद्यानुकूल या शिक्षानुकूल बनाने हेतु तथा छात्र/छात्राओं के सर्वागींण विकास हेतु विभिन्न समितियों का प्रतिवर्ष गठन किया जाता है। जिनके नाम इस प्रकार हैं :–

1. प्रवेश समिति	10. खेलकूद समिति
2. अनुशासन समिति	11. उद्यान एवं साफ–सफाई समिति
3. सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति	12. भवन निर्माण एवं रख–रखव समिति
4. पुस्तकालय समिति	13. कैरियर काउंसिंलिग एवं गाइडेंस समिति
5. प्रार्थना सभा समिति	14. रिसर्च एवं पब्लिकेशन समिति
6. छात्र कल्याण परिषद् समिति	15. परीक्षा समिति
7. एन्टीरैंगिग समिति	16. चिकित्सा एवं प्राथमिक उपचार समिति
8. महिला उत्थान एवं सुरक्षा समिति	17. आई.क्यू.ए.सी. (IQAC)
9. पत्रिका संचालन समिति	18. NEP समिति

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

अनुशासन एवं सामान्य प्रकार आचार सम्बन्धी निर्देश

1. **उपस्थिति :-** विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए विद्यार्थी की प्रत्येक विषय की सैद्धान्तिक तथा प्रयोगात्मक कक्षाओं में अलग अलग 75 प्रतिशत उपस्थिति अत्यन्त अनिवार्य है। केवल अति विशेष परिस्थितियों में प्राचार्य द्वारा 5 प्रतिशत और कुलपति द्वारा 10 प्रतिशत की छूट दी जा सकती है, परन्तु 60 प्रतिशत उपस्थिति से कम होने पर विद्यार्थी को परीक्षा से वंचित कर दिया जायेगा।

   यदि कोई विद्यार्थी कक्षाओं में अपनी आवश्यक उपस्थितियाँ पूर्ण कर लेता है किन्तु किसी कारणवश परीक्षा में नहीं बैठ पाता या अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसी कक्षा (पाठ्यक्रम) में नियमित संस्थागत विद्यार्थी के रुप में प्रवेश अथवा पुनः प्रवेश नहीं दिया जायेगा। हालांकि वह आवश्यक परीक्षा–पत्र भरकर कॉलिज से भूतपूर्व विद्यार्थी के रुप में विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठ सकता है।

2. **कॉलिज यूनिफार्म :-** कॉलिज में सभी विद्यार्थियों की समूहवार एक समान विशेष कॉलिज यूनीफार्म या पोशाक का होना विद्यार्थियों की एक समरसता, गरिमा और शालीनता के साथ–साथ कॉलिज के गौरव और अलग पहचान का प्रतीक एवं परिचायक है। तद्हेतु छात्राओं के लिए सफेद सूट (कुर्ता, सलवार एवं दुपट्टा) एवं छात्रों के लिए सफेद कमीज तथा काली पेन्ट निर्धारित है।
3. यह कॉलिज दनकौर शिक्षा जगत की एक सम्माननीय संस्था है। इसके छात्र होने पर आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि इसके सम्मान की रक्षा के लिए कॉलिज तथा कॉलिज के बाहर भी शोभनीय एवं सज्जनों जैसा व्यवहार करेंगे। यहां से शिक्षा प्राप्त करके विद्यार्थी काफी ऊंचें पदों पर पहुँचते हैं। अतः ज्ञानार्जन के क्षेत्र में परिश्रम के सहारे आगे जाने की ओर लगातार प्रयत्नशील रहें।
4. कॉलिज परिसर में अपने साथ किसी भी बाहरी असामाजिक / अवांछनीय व्यक्ति को लाना सख्त मना है।
5. कॉलिज के नियमानुसार कॉलिज कक्षाओं में अध्यापन के दौरान में मोबाईल का प्रयोग पूर्णतया निषेधित है।
6. कॉलिज परिसर में किसी भी प्रकार के अस्त्र–शस्त्र (हथियार) आदि का लाना पूर्णतया वर्जित है। उल्लंघन करने पर दण्डात्मक कार्यवाही का प्रावधान है।
7. अपना आचरण और व्यवहार शुद्ध एवं निष्कलंक रखें। यदि कोई छात्र आचार, व्यवहार, शालीनता के नियमों का उल्लघंन करता पाया गया तो उसका प्रवेश निरस्त किया जायेगा।
8. कक्षा में ठीक समय से पहुँचे।
9. बरामदे में न घूमें और कक्षाओं के सामने गुजरते समय बात न करें। क्योंकि ऐसा करने से कक्षा में छात्रों के अध्ययन और शिक्षकों के अध्यापन में विघ्न पड़ता है।
10. अपने सहपाठियों, अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों के साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करें। उच्च कोटि के अध्यापक–छात्र सम्बन्ध कॉलिज की विशेष परम्परा है। परम्परा का निर्वाह विशेष तौर पर करें।
11. कॉलिज परिसर में लगे पेड़–पौधों को नुकसान पहुँचाना, दीवारों, सूचना–पट व कक्षाओं आदि किसी भी स्थल को गन्दा करना या उन पर कुछ लिखना अमान्य है।
12. व्यायाम सम्बन्धी कार्य कलापों में भाग लिये बिना शिक्षा एक पक्षीय रह जाती है। अतः कॉलिज में उपलब्ध खेल–कूदों की सुविधाओं का उपयोग करें एवं दुरुप्रयोग या क्षति न पहुँचायें।
13. सुव्यवस्था के लिए शान्ति व अनुशासन बनाये रखना अनिवार्य है।
14. किसी भी नियम की अवहेलना दण्डनीय है। नियम की जानकरी न होना भी छात्र को निर्दोष सिद्ध नहीं करता ।
15. कॉलिज के नियमित संचालन तथा इसे श्रेष्ठतम बनाने में अपना हार्दिक सहयोग दें।
16. कॉलिज के श्रेष्ठतम संचालन के लिये कोई सुझाव देना चाहें तो उन्हे लिखकर सम्बन्धित व्यक्ति को दे दें।

नोट : प्रवेश नियम के उपरान्त किसी भी विद्यार्थी के द्वारा अनुशासनहीनता किए जाने पर उसका प्रवेश निरस्त करने का अधिकार पूर्णतः महाविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।

19. **कॉलिज शुल्क :-**

(अ) कॉलिज की फीस 2 किश्तों में जमा होगी, जिसमें प्रथम किस्त प्रवेश के समय एवं दूसरी किश्त दिसम्बर माह में सम्पूर्ण फीस जमा करनी अनिवार्य है।

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

20. कॉलिज में त्रिमासिक अभिभावक शिक्षक वार्ता (P.T.M.) कराई जाती है।

24. निम्नलिखित तालिका में से छात्र / छात्रा किसी भी एक समूह का चयन कर सकता है–

Group - A	हिन्दी	अंग्रेजी	राजनीति विज्ञान
Group - B	अंग्रेजी	अर्थशास्त्र	राजनीति विज्ञान
Group - C	हिन्दी	समाजशास्त्र	इतिहास
Group - D	समाजशास्त्र	राजनीति विज्ञान	अर्थशास्त्र
Group - E	मनोविज्ञान	इतिहास	राजनीति विज्ञान
Group - F	कला	अंग्रेजी	इतिहास
Group - G	गृहविज्ञान	हिन्दी	अर्थशास्त्र
Group - H	गृहविज्ञान	राजनीति विज्ञान	इतिहास
Group - I	मनोविज्ञान	अंग्रेजी	गृहविज्ञान
Group - J	कला	गृहविज्ञान	समाजशास्त्र

पुस्तकालय के नियम

1. बुक बैंक की सदस्यता हेतु सत्रारम्भ में सूचना पट पर विज्ञप्ति द्वारा विद्यार्थियों से निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन मांगे जायेंगे, जिन्हें कक्षावार पंजीकृत किया जायेगा।
2. पुस्तक या पत्रिकाओं को नष्ट करना अत्यन्त निन्दनीय कार्य है, जिसके लिये दोषी छात्र–छात्रा को आर्थिक दण्ड दिया जा सकता है तथा अपराध की गुरुता के अनुसार उसकी पुस्तकालय सदस्यता भी लम्बित अथवा समाप्त की जा सकती है।
3. पुस्तकें संकाय, कक्षा, वर्ष, विषय व दिन के अनुसार दी या ली जाती है।
4. पुस्तकालय कार्ड अपरिवर्तनीय है एवं उनकी पूरी जिम्मेदारी धारक की होगी। इसके लिए इन्हें ठीक से संभाल कर रखना चाहिये व कभी किसी अन्य को नहीं देना चाहिये। कार्ड खो जाने पर तुरन्त पुस्तकालयाध्यक्ष को लिखित सूचना दें।
5. पुस्तकालय कार्ड के विनिमय (एक्सचेंज) में ही पुस्तकें दी जायेंगी। पुस्तक लौटा देने पर कार्ड वापस कर दिया जायेगा।
6. पुस्तक लेने से पूर्व विद्यार्थी को भली प्रकार निरीक्षण कर लेना चाहिये। यदि पुस्तक ठीक स्थिति में नहीं है तो उस समय पुस्तकालयाध्यक्ष को सूचित करें अन्यथा उसे स्वयं उत्तरदायित्व वहन करना पड़ेगा।
7. निश्चित अविधि से अधिक समय तक पुस्तक रखने अथवा पुस्तक खो जाने पर नियमानुसार दण्ड अथवा मूल्य लिया जायेगा।
8. विद्यार्थियों को पुस्तक स्वच्छ व सुरक्षित रखनी होगी अन्यथा दण्ड देय होगा।
9. पुस्तकें लेने के लिए पुस्तकालय–कार्ड बनवाना जरुरी है, जिसके लिये प्रवेश की रसीद एवं परिचय–पत्र साथ लाना आवश्यक है।
10. कॉलिज एवं पुस्तकालय में धुम्रपान पूर्णतः निषेध है एवं बात करना वर्जित है। कृपया शान्ति से पढ़ें।

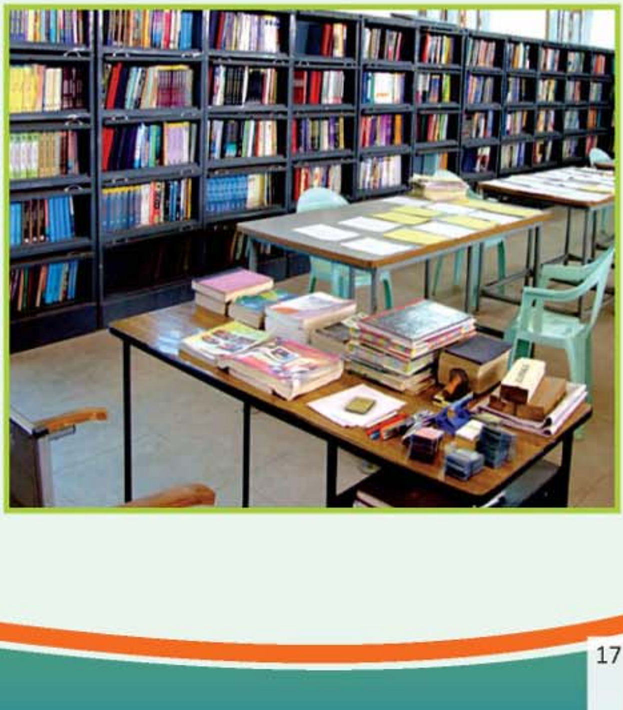

AGGARWAL PRINTERS PRINTING SAMPLE

कॉलिज के विषयवार सहायक आचार्य की संकायवार सूची

(प्रवेश समिति, परीक्षा समिति, अनुशासन समिति, खेलकूद समिति, IQAC समिति, NEP समिति)

क्र.स.	नाम	शिक्षा	विभाग
1	डॉ० गिरीश कुमार वत्स	M.Ed., M.Phil, NET, Ph.D	प्राचार्य
2	डॉ० रश्मि गुप्ता	M.Sc., Ph.D	उप-प्राचार्या
3	श्री अमित नागर	M.Sc., M.Ed.	वनस्पति विज्ञान
4	श्री महीपाल सिंह	M.Sc. (Physics)	भौतिक विज्ञान
6	डॉ० रेशा	M.Sc., M.Phil, Ph.D	जन्तु विज्ञान
7	कु0 चारु सिंह	M.Sc. (Maths)	गणित
8	डॉ0 माया सिंह	M.Sc., Ph.D (Biology)	वनस्पति विज्ञान
9	डॉ0 ज्योति गौतम	M.Sc., NET	भौतिक विज्ञान
10	कु0 अंजलि सिंह	M.Sc., NET	गणित
11	डॉ० प्रीति रानी सेन	M.Com., B.Ed., Ph.D	वाणिज्य
12	कु0 काजल कपासिया	M.Com NET	वाणिज्य
13	श्रीमति सुनीता शर्मा	M.Sc., M.Ed	वाणिज्य
14	डॉ0 नीतू सिंह	M.Com., B.Ed., Ph.D	वाणिज्य
15	कु0 रश्मि शर्मा	M.Com, B.Ed	वाणिज्य
16	डॉ0 विकास बाबू	M.Com, NET	वाणिज्य
17	डॉ0 गौरव माहेश्वरी	M.Com, NET	वाणिज्य
18	डॉ० देवानन्द सिंह	M.A., NET, Ph.D	हिन्दी
19	डॉ० शिखा अग्रवाल	M.A., M.Ed., Ph.D	हिन्दी
20	डॉ० प्रशांत कनौजिया	M.A., Ph.D	अंग्रेजी
21	डॉ० अज़मत आरा	M.A., Ph.D	अंग्रेजी
22	डॉ० संगीता रावल	M.A., M.Ed., M.Phil., Ph.D	समाजशास्त्र
23	डॉ० नाज परवीन	M.A., NET, Ph.D	इतिहास
24	डॉ0 अनुज कुमार भड़ाना	M.A. NET, Ph.D	राजनीतिक शास्त्र
25	डॉ० निशा शर्मा	M.A., Ph.D	गृह विज्ञान
26	कु0 नगमा सलमानी	M.A., NET	चित्रकला
27	श्रीमती प्रीति शर्मा	M.A. (Psychology), B.Ed.	मनोविज्ञान
28	डॉ० कोकिल अग्रवाल	M.A., M.Ed., Ph.D	हिन्दी
29	डॉ0 चमन प्रकाश शर्मा	M.A., M.Phil., Ph.D	अर्थशास्त्र
30	डॉ0 योगेश कुमार	M.A., NET	हिन्दी
31	श्री कैलाशनाथ यादव	M.A., NET	हिन्दी
32	श्री ज्ञान प्रकाश	M.A., NET	अंग्रेजी

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

कॉलिज के विषयवार सहायक आचार्य की संकायवार सूची

(प्रवेश समिति, परीक्षा समिति, अनुशासन समिति, खेलकूद समिति, IQAC समिति, NEP समिति)

क्र.स.	नाम	शिक्षा	विभाग
33	श्री दयाशंकर यादव	M.A., NET	अंग्रेजी
34	डॉ० रश्मि जहाँ	M.A., M.Ed., Ph.D	बी०एड०
35	श्री इन्द्रजीत सिंह	M.A., M.Ed., L.LB.	बी०एड०
36	डॉ0 राजीव उर्फ पिन्टू	M.A., NET, Ph.D	बी०एड०
37	डॉ0 सूर्यप्रताप	M.A., Ph.D	बी०एड०
38	रचना शर्मा	M.A. (Hindi), NET, M.Ed.	बी०एड०
39	रश्मि प्रजापति	M.A. (English) NET M.Ed.	बी०एड०
40	डॉ0 गिरीश कुमार	M.A. (Sanskrit) NET. M.Ed.	बी०एड०
41	डा0 वीर सिंह	M.Sc. (Math) M.Ed., Ph.D	बी०एड०
42	श्री जगराम सिंह	M.Sc., M.Ed., NET	बी०एड०
43	श्री सूर्यकांत	M.A. (Pol. Science), M.Ed., NET	बी०एड०
44	श्री विकास कुमार गुप्ता	M.Com, M.Ed., NET	बी०एड०
45	डॉ0 सीमा शर्मा	M.A., M.Ed., Ph.D	बी०एड०
46	डॉ0 अनु रानी	M.A. (Music), Ph.D.	बी०एड०
47	डॉ0 विश्वजीत यादव	M.P.Ed., NET	बी०एड०
48	श्री चन्द्रेश कुमार त्रिपाठी	M.BA., NET	बी०सी०ए०
49	श्रीमती शशी नागर	M.C.A.	बी०सी०ए०
50	श्री अखिल कुमार	M.CA., B.Ed	बी०सी०ए०
51	कु0 रुचि शर्मा	M.Sc. (Math)	बी०सी०ए०
52	श्री विकास यादव	M.BA., NET	बी०बी०ए०
53	श्री कृष्ण कुमार शर्मा	M.BA., NET	बी०बी०ए०
54	श्री रविन्द्र कुमार	M.CA., NET	बी०सी०ए०
55	श्री रिंकू सिंह सागर	M.CA., NET	बी०सी०ए०
56	श्री मनवीर सिंह	M.CA., NET	बी०सी०ए०
57	श्री अजय कुमार	M.Com.	लेखाकार
58	श्री करन नागर	M.A., BTC, CTET	लिपिक
59	श्री पुनीत कुमार गुप्ता	M.Com., PGDCA, DLED	लिपिक
60	श्री मुकुल कुमार शर्मा	B.Sc., M.A. (Edu. Pol. Science)	लिपिक
61	श्री बिजेन्द्र सिंह (एडवोकेट)	B.A., L.LB.	लिपिक
62	श्री रामकिशन	B.Sc., B.Ed.	लिपिक

AGGARWAL PRINTERS PRINTING SAMPLE

–: विशेष सूचनायें एवं निर्देश :–

1. जांच होने तक सभी प्रवेश अस्थाई होते हैं। अतः प्राचार्य को यह पूर्णतः अधिकार है कि वह किसी भी विद्यार्थी का प्रवेश कभी भी निरस्त कर सकता है।
2. आपका परिचय–पत्र आपके इस कॉलिज का विद्यार्थी होने का प्रमाण है।
3. प्रवेश लेने के बाद यदि कोई विद्यार्थी कॉलिज छोड़ता है तो कॉलिज कार्यालय को तुरन्त सूचित करें और अपना परिचय–पत्र चीफ प्रॉक्टर को अवश्य लौटा दें।
4. प्रवेश लेते समय पाठ्य विषयों का चयन भली–भांति विचार कर लें, एक बार प्रवेश लेने के पश्चात बदलाव नहीं किया जायेगा।
5. समस्त विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे कॉलिज वातावरण की शैक्षिक, नैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गरिमा को बनाये रखने का संकल्प लेंगे।
6. विश्वविद्यालय स्तर की किसी भी समस्या का कॉलिज उत्तरदायी नहीं होगा।
7. विद्यार्थियों से आग्रह है कि इस विवरणिका में लिखित नियमों का भली–भांति अध्ययन कर लें, क्योंकि प्रवेश इन्ही नियमों के अन्तर्गत मान्य होंगे।
8. परीक्षा फार्म जमा करने से पहले कॉलिज की पूर्ण फीस का भुगतान करना अनिवार्य है।
9. कॉलिज सम्बन्धी किसी भी जानकारी हेतु कॉलिज की वेब साईट **www.sdpg.in** पर देखें।

AGGARWAL PRINTERS
PRINTING SAMPLE

श्री द्रोणाचार्य (पी0जी0) कॉलिज
विश्व दृष्टि विकासाय
स्थापित वर्ष : 1997

श्री द्रोणाचार्य (पी0जी0) कॉलिज

–: कॉलिज कोड (038) :–

B.A., B.Com., B.Sc. (PCM & ZBC). B.B.A., B.C.A., B.Ed., M.A. (Hindi & English), M.Com

कालिन्दी मार्ग (निकट स्पोर्ट्स सिटी) दनकौर (गौतम बुद्ध नगर)
सम्पर्क सूत्र : 8954892270, 8191006001

Website : www.sdpg.in | E-mail: sddcollege97@gmail.com

Print by: aggarwalprinters@gmail.com #8006003600